

DPN 6162

Title : वलिमाला , चिन्तामणि नाम धारणि BALI MĀLĀ CINTĀMANI NĀMA
DHĀRAṆI

Run. No. 6853

Cat. No. 64

Micro. No.

Subject Ritual and Dharaṇi

Religion : Hindu / Bauddha ✓

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 18. X 7

Folios 6

Lines (in a page) 5

Compl. / Incompl. ✓

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor ✓

फणीन्द्र रत्न वज्राचार्य

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place Phariindra Ratna

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Bafracharya

Material : palmleaf / paper / thyaśaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

॥ १ ॥ ॐ स्वस्ति ॥ स्वादि २ सर्वजन्तुना कसह न प्रगपि मन्त्रमादा प्रः
 माला जगज्जकि न्यादय ॥ ॐ दं वलि गृह्णतु समयन ककु सर्वसि
 द्विभयमच्छु उज्जथेव सुथेव उज्जथ जिघ्रथ माला कर्मधो ॥ सर्वसि
 द्वि ॥ दानयति मम सर्वस्वत्वा नां च सर्वाकान दया सर्वसूष सुवद
 य सहायका शवंतु हं २ रुद्र २ स्वाहा ॥ २ ॥ ॐ ॐ दादिवजिह

परागिन्द्रात वज्राचार्य

स्वस्ति ॥ स्वादि २
 सर्वजन्तुना कसह
 न प्रगपि मन्त्रमादा
 प्रः

10

सा दय २ रुन २ व ऊज . स व २ द १ ७ न मा व २ २ व १ न ३ र ग व ति व
 क कू कू कू वू वू वू उ उ उ उ कौ कौ कौ उ व ल व ल व ल द स्वा हा ॥
 इति व द ह द्वा नि का हा व नि द वी या न का मा ना म रु स मा फ ४ ॥
 उं न मा न ल य मा य ॥ न म ४ स फा नां सं म्य कू वू च का टि नां त य थ ३
 व ल व ल व ल द महा वि य स व दि नि व न द क थ य २ स्वा हा ॥ ॥ उं

5

अ आ कू रू उं कू कू कू रू उं उ उ कू रू उं अ अ कू रू उं ० ४ कू रू
 उ उ कू रू उ उ उ कू रू अ अ कू रू स्वा हा ॥ क ख ग घ ङ च छ ज झ ञ
 ट ठ ड ढ न त थ द ध न य रु व र म य ल व व ग ष स ह ॥ न म ४ त थ ग ता
 नां ॥ ॥ उं महा वि का म नि क ल न सा ग न ग हि न आ क र्ष य २ आ य ध
 न २ स ध न २ क न २ कि नि २ कू ७ २ स व त थ ग त स म य ति ष २ म

वि का म नि ॥
 ॥

10

ת

बलिमाला

काननं यच्च वायुसुखं यच्च यताका स्वाका नजं वायुकि
रावं उपविन्य हाकानं नक जिं ४ काननजमसं स्वका नजं मां
सं हूं काननज सर्ववर्षिकं ॥ अवं नृधिनमस्य मांसं नका प
विन सर्ववर्षिकं पुता का विनं जथा कर्म प्रयाग वावानशि
नयानवर्षिकं पुनर्षिकं कन्या क उं न का सनि प्रागकाः

मनू के नास सुगुनकदान चद्रपूष्कन पुनका न जानधः
न मानव कुलांत दवीकाट मकधु मानुगध्वन अरहास
विल जावायुह महाय ० कानायुनि कानध्वन जलध्वन मः
नयपुंगले मनू गिनि गिनिवन मरुदवावन दिनध्वन मः
दान क्रीडा ज्ञान युया युयकाटि वषा विराय ४ ॥ ॥

ॐ डादिमडा ॥ पंचयज्ञान पूजा ॥ अथा नूतु ता सर्वधर्मा ॥ ॐ अखंता
 नूगता सर्वधर्मा ॥ ॐ पनस्यलानूगता सर्वधर्मा ॥ दक्षयमानं सम
 ययमानं गदकं वाचयामि ॥ ॐ नस्यनवजालविज ॐ ४ वहा
 ॥ दयागुरुगुरुता ॥ ॐ एवमुक्त ॥ जिह्वा विराय ॥ ॐ वजाललि
 ज ४ ॐ व ॐ ॥ वजजकिनिस्मयस्त्वहा ॥ ॥ ॐ कनरकनर

कनर

वधश्चास्यरक्षा २ ॐ २ रुद्र २ यच २ रुद्र २ वसुधिवान् गधमा
 नाववानवलन ॥ सफयातावम ॥ उजगस्यय २ नऊय २ अ
 कय २ ऊ २ ॐ २ की २ हा २ ॐ २ किनि २ निनि २ हि २ लि २ धिनि २ ॐ २
 रुद्र २ दानयम ॥ जजमानस्य सपनिवार्ताना ॥ अयूनावाय ॥ जनध
 नवृद्धि कामनाथ वजधन ॥ अयय ॥ ॐ अ ४ ॐ रुद्र स्वाहा ॥